

तुलसीदास और उनकी कविता

पहला भाग

२५५

लेखक

रामनरेश त्रिपाठी

हिन्दू-जाति के महान् उद्धारक और हिन्दी के एकमात्र महाकवि तुलसीदास पर अभी तक ऐसी विवेचना-पूर्ण पुस्तक कोई नहीं लिखी गई थी। तुलसीदास के संबंध की कोई भी जानकारी योग्य बात इसमें छूटने नहीं पाई है।

तुलसीदास की संक्षिप्त जीवनी, उनके जन्म-स्थान आदि की नवीन खोज, उनका असली चित्र, उनकी हस्तलिपि तथा उनकी रचनाओं के काल-क्रम आदि का बहुत प्रामाणिक विवरण जानना हो, उनकी कविता का मर्म समझना हो, जहाँ-जहाँ से उन्होंने अपनी कविता की सामग्री ली है, उसे देखना हो, उनके ग्रन्थों में सरस वर्णन कौन-कौन-से हैं, उनका साहित्यिक आनन्द लेना हो, तो इस पुस्तक का अध्ययन अवश्य कीजिये।

कालेज और युनिवर्सिटियों के विद्यार्थी, जो तुलसीदास का अध्ययन करना चाहते हैं, इस पुस्तक को अवश्य खरीदें।

पहला भाग, पृ० ४१०, मू० २); दूसरा भाग पृ० ५५०, मूल्य २।।); तीसरा भाग शीघ्र ही प्रकाशित होगा। छपाई-सफाई बहुत सुन्दर; कागज-बिकना, भक्ते; कपड़े की मनोहर सुवर्ण-कित निले से सुसज्जित।

मिलने का पता—

हिन्दी-मन्दिर, प्रयाग